अभिधान राजेन्द्र कोष भाग-७ (फोल्डर नं. ९६०४७)

रचयिता – विजय राजेन्द्रसूरिश्वरजी

मुख्य टाइटल

प्रकाशकीय निवेदन

प्रासंगिक वक्तव्य

प्रशान्त वपुष श्रीमद् राजेन्द्रसूरि

द्वितीयावृत्ति – प्रस्तावना

सौधर्म बृहत्तपागच्छीय पट्टावली

आभार प्रदर्शनम्

श्री अभिधान राजेन्द्र कोष भाग-७

शकार

श ---------- १

षकार

ष ---------- २

सकार

स ---------- ३

संकम ---------- ७

संखडी ---------- ४७

संखेज्जय ---------- ६५

संघाडी ---------- ८५

संजोग ---------- १०७

संठाणपरिणय ---------- १२७

संथव ---------- १४७

संथार ---------- १५१

संपइ ---------- १९९

संलेहणा ---------- २१७

संवेग ---------- २४१

सचित्तचूडा ---------- २६९

सड्डल ---------- २९३

सण्णा ---------- ३०१

सत्तसत्तमिया ---------- ३२१

सद्द ---------- ३३९

सद्दवंभवाइ ---------- ३६९

सन्ना ---------- ३९१

समतलपइया -- ४१५
समाहिबहुल -- ४३१
समुग्घाय -- ४३५
समुद्दपाल -- ४५९
सम्मत्त -- ४८३
सम्मत्तपरक्म -- ५०३
सवदुबार -- ५२५
सरीरोगाहणा -- ५५९
सव्वण्णु -- ५७५
ससंधिय -- ५९९
सातवाहण -- ६३३
सामण्णविसेस -- ६४७
सामाइय -- ७०१
सावग -- ७७९
साहु -- ८०३
सिद्ध -- ८२१
सिरि -- ८५७
सिवभूइ -- ८७३
सीस -- ९०३
सुजाय -- ९२५
सुत्तकप्प -- ९४९
सुय -- ९६९
सुयअण्णाण -- ९९१
सुसमसुसमा -- १०१३
सूरपण्णत्ति -- १०३६
सूरमण्डल -- १०४२
सूरियाभ -- १०८१
सुलपाणि -- ११३९
सोल्लिय -- ११६७

हकार

ह -- ११७२
हरिय -- ११९५
हिडंग -- १२०४
हिंसा -- १२२९
हेउ -- १२४२

Jain Education International For Private & Personal Use Only www.jainelibrary.org

Jain Education International For Private & Personal Use Only www.jainelibrary.org